बहन के जिस्म का पहला स्पर्श-1

“मैं अपनी दीदी की चूत चुदाई का खूब मजा लेता हूँ. इस लम्बी कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपनी बहन की सेक्सी चूत को चोदा. क्या मेरी बहन की चूत कुंवारी थी उस वक्त ? …”

Story By: (vishaljasu)
Posted: Thursday, January 9th, 2020
Categories: भाई बहन
Online version: बहन के जिस्म का पहला स्पर्श-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बहन के जिस्म का पहला स्पर्श-1

 यह कहानी सुनें

नमस्कार दोस्तो, कैसे हैं आप सब ? मेरी पिछली कहानी
बहन बनी सेक्स गुलाम
को आपने काफी सराहा। जब मेरी कहानी प्रकाशित हुई थी तो कई लोगों ने पूछा था कि ये सब कैसे शुरू हुआ था ? कैसे मैंने अपनी बहन को सेक्स के लिए कैसे मनाया ?

पाठकों की मांग पर मैंने सोचा कि क्यूँ न इसे कहानी के रूप में पेश किया जाए। मैं मेरी दीदी और मेरे बीच के संबंधों की शुरूआत की कहानी लिख रहा हूँ। इस कहानी को रोचक बनाने के लिए उचित एवं नाटकीय रूपांतरण किये गए हैं। मजे की बात है कि यह कहनी मैंने और दीदी ने मिल कर लिखी है। यदि आपको हमारी ये रचना पसन्द आये तो मेल करके जरूर बताएं।

कहानी को मैं नाम के संबोधन के साथ ही बताऊंगा. जहां पर मेरी बात होगी तो आप मेरा नाम (विशाल) पढ़ेंगे और जहां पर दीदी अपनी बात रखेगी, वहां पर आपको प्रीति लिखा दिखाई देगा.

दोस्तो, पसन्द तो मैं दीदी को बचपन से ही करता हूं। जब से लन्ड जवान हुआ है तब से ही मैं उनके हुस्न का दीवाना हूँ। स्कूल में जब दीदी स्कर्ट में गांड मटकाते हुए चलती थी तो मेरा लन्ड मचल उठता था। मैंने कई बार अपनी बहन के बारे में सोच कर मुठ मारी है. मगर खुल कर कभी प्रयास नहीं किया था.

यह बात तब की है जब मैं फर्स्ट ईयर में था। छुट्टियों में घर आया हुआ था. मुझे नहीं पता

था कि इन छुट्टियों में मुझे एक खुशबूदार चूत मिलने वाली है.

प्रीति :

मैं छत पर बैठी रो रही थी, मेरे हाथों में शराब की बोतल थी। वैसे मैं शराब पीने की आदी नहीं थी. लेकिन आज कुछ हुआ ही था ऐसा कि मुझे पीने की जरूरत आन पड़ी थी.

दीदी आप यहाँ है, वहाँ पार्टी में सब आपका इन्तजार कर रहे हैं.
तू चल मैं आती हूँ. मैं रुंधी सी आवाज में बोली.

“दीदी आप रो रही हो ?” वो मेरे पास आते हुए बोला.
नहीं ऐसा कुछ नहीं है. मैंने आँसू पौंछते हुए कहा.
आप रो रहे हो … और ये शराब कब से पीने लगे आप ?” थोड़ी गम्भीर आवाज में उसने बोला.

मैं नहीं रो रही. मैंने कहा न कि तू चल, मैं आती हूँ.”
विशाल घुटनों के बल मेरे सामने बैठ गया। मेरा हाथ पकड़ कर बोला- क्या हुआ है दीदी ? प्लीज बताओ, मैं प्रोमिस करता हूं मैं आपकी हेल्प करूँगा.

मैं अभी भी चुप थी, मेरा भाई फिर बोल पड़ा- दीदी, आप मुझ पर भरोसा कर सकते हो. ये बात हम दोनों के बीच ही रहेगी प्रोमिस !
उसके इस अंदाज पर मैं पिघल गयी। उसकी बांहों में लिपट कर रोने लगी। उसने भी गले लगा कर मुझे सहारा दिया। लेकिन आप सब जैसा सोच रहे हैं वैसे नहीं। मैंने उसे फोन में व्हाट्सएप खोल कर थमा दिया जिसमें अश्विन और मेरे चैट्स खुले थे।

अश्विन उर्फ आशू मेरा एक्स बॉयफ्रेंड था। तीन महीने पहले हमारा ब्रेकअप हो गया क्योंकि वो बड़ा ही कमीना था। उसने मेरे साथ धोखा किया था। धोखे में मुझे मजबूर कर

अपने एक दोस्त से चुदवा दिया और उसका वीडियो बना लिया। अब मुझे ब्लैकमेल कर रहा था। जब मन करता मुझे बुला कर अपनी वासना बुझाता।
मैं मजबूर थी।

आज के दिन भी वो मुझे अपने एक दोस्त के नीचे चुदने के लिए बुला रहा था।

दोस्तो, चुदाई या सेक्स अपनी जगह है लेकिन वो मेरा पहला प्यार था. दिल से चाहती थी उसे. मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि वो मेरा इस कदर फायदा उठाएगा। मैं पूरी तरह टूट चुकी थी।

बहनचोद … चैट्स पढ़ कर विशाल गुस्से में चिल्लाया.
मैं तो डर ही गयी. उसका चेहरा गुस्से से लाल था। लेकिन दूसरे ही पल वो मेरे सामने घुटनों पर था.

मेरा हाथ पकड़ कर बोला- दीदी आप टेंशन ना लो, इसे मैं देखता हूँ. आज आपका बर्थडे है. आपको सब पार्टी में खोज रहे हैं. बस जल्दी से तैयार होकर नीचे आओ.

मैंने हाँ में सिर हिलाया और वो चला गया। मैं तैयार होकर नीचे आ गयी. पार्टी में सबके साथ एन्जॉय करने लगी। लेकिन मेरी गांड फटी पड़ी थी क्योंकि मेरा मोबाइल भाई के पास ही था। व्याकुलता में रात कटी. पता नहीं था कि वो क्या करने वाला है।

सुबह मुझे विशाल ने अपने साथ कॉलेज चलने को कहा ; मैं चल पड़ी। जैसे-जैसे वो बोलता गया मैं करती गयी।

उसने बाइक पार्किंग में रोकी। कुछ दूरी पर आशू और उसके दोस्त बैठे थे। उसने रास्ते भर से ही मुझे समझा रखा था। मैं आशू और उसके दोस्तों की ओर बढ़ी. आशू के साथ उसके चार दोस्त बैठे थे।

मुझे उनकी तरफ आता देख एक ने बोला- वो देख आ गयी आशू की रंडी !
फिर सब हँसने लगे।
आशू- क्यों री … कल बुलाया तो क्यों नहीं आई ?
देखो मैं ऐसा वैसा कुछ नहीं करने वाली अब, वैसे भी हमारा ब्रेकअप हो चुका है.”

आशू- सुबह-सुबह चढ़ा कर (दारू पीकर) आयी है क्या, तुझे पता है न मैं क्या कर सकता हूँ ?
वो मेरा वीडियो कॉलेज ग्रुप में डालने की धमकी देने लगा. बोला कि मुझे पूरे कॉलेज के सामने नंगी कर देगा. मैं डर के मारे चुप हो गयी.

विशाल पीछे से आते हुए- क्या कर लेगा तू ?
आशू- तू कौन है बे ? प्रीति का नया कस्टमर है क्या ?

बस इतना कहना था कि भाई ने एक पंच दे मारा आशू के थोबड़े पर. तभी उसके चारों दोस्त भी मेरे भाई पर टूट पड़े. विशाल 6 फिट लम्बा और शरीर से काफी तगड़ा था. स्कूल के दिनों से ही बॉक्सिंग कर रहा था. दो मिनट में ही उसने सबको धो डाला.

चारों में से कोई नहीं उठ पाया.

आशू- इसका अंजाम बहुत बुरा होगा.
मेरी ओर देखते हुए उसने कहा.
विशाल ने अपनी जेब से एक पेन ड्राइव निकाला और आशू की जेब में डालते हुए फुसफुसाकर बोला- इसको पूरे कॉलेज में बांट देना, तुझे तेरी औकात पता लग जायेगी.

आशू का चेहरा उस समय देखने लायक था. उस दिन के बाद से मेरा भाई कॉलेज की लड़कियों का हीरो बन गया. मैं भी खुश थी कि आशू जैसे लड़के के साथ ऐसा ही होना

चाहिए था. उस दिन के बाद से हर लड़की मुझसे मेरे भाई विशाल के बारे में ही पूछती रहती थी.

सब कुछ ठीक चल रहा था. मेरे भाई के प्रति मेरे मन में सेक्स जैसे कोई भाव नहीं थे जब तक कि मेरी दोस्ती आयशा के साथ न हुई थी. आयशा आशू की गर्लफ्रेंड थी. आयशा के होते हुए भी आशू मुझे ही चोदता था.

आशू के साथ लड़ाई होने के बाद आयशा ने उसके साथ ब्रेकअप कर लिया था. अब वो मेरी अच्छी दोस्त बन गयी थी. एक दिन वो ग्रुप स्टडी के लिए मेरे घर आई थी। हम दोनों पढ़ाई कम और इधर उधर की बातें ज्यादा कर रहे थे।

यार तेरा भाई बड़ा डैशिंग है. आयशा बोली.

मैं- हा हा हा … कॉलेज की बाकी लड़कियां भी यही सोचती हैं, मेरे से उसका नम्बर मांगती हैं.
वो बोली- हां यार … कसम से, तेरे भाई को देख कर तो चूत मचल उठती है.
मैंने कहा- चुप कर ! कुछ भी बोलती रहती है.

आयशा- यार काश मेरा भी तेरे जैसा कोई भाई होता !
मैं- तो क्या करती फिर तू ? मैंने उसे छेड़ते हुए पूछा.
वो बोली- तो फिर बाहर मुँह मारने की जरूरत ही नहीं पड़ती, घर में ही इतना हॉट लौड़ा मिल जाता.

मैं हैरान होते हुए- चुप कर ! ऐसे थोड़ी न होता है ?
वो बोली- अरे, होता है मेरी जान. मेरी एक कजिन है. वो भी चुदवाती है रोज अपने भाई से !

हैरानी से मैंने कहा- चल झूठी, ऐसा केवल कहानियों में होता है.
आयशा- सच में भी होता है डियर, वैसे तुझे भरोसा नहीं तो मैं मिलवा दूंगी, तू खुद पूछ लेना.

मैंने कहा- सच्ची ?
वो बोली- और क्या… मैंने तो अपनी मां को भी कई बार अपने मामा के साथ देखा है. वो दोनों कई बार चुदाई करते हैं. कई बार तो मैंने उनको सेक्सी बातें करते हुए भी सुना है.
धत्त… सही में ?" मैंने आश्चर्य से पूछा.

वो बोली- हां सच्ची यार, जब भी मेरे मामा विदेश से आते हैं तो वो दोनों मुझे किसी न किसी बहाने से घर के बाहर भेज देते हैं. पापा तो बचपन में ही गुजर गये थे. इसलिए मां अपने भाई के साथ ही काम चला लेती है.

कुछ देर की चुप्पी के बाद मैंने पूछा- पर यार, सगे भाई के साथ कैसे हो सकता है ये सब ?

मैं इससे आगे कुछ कहती इससे पहले ही वो बोल पड़ी- अरे बहुत फायदे हैं … देख ! पहले तो घर मे ही लौड़ा मिल जाएगा. जब मन करे, चुद सकती है. दूसरा फायदा ये कि घर का है तो तू ट्रस्ट कर सकती है. आशू की तरह तुझे धोखा खाने का डर भी नहीं रहेगा. तीसरा फायदा ये कि घर वालों की टेंशन भी वही लेगा. तुझे तो बस चुदाई के मजे लेने हैं.

"हा हा हा … और ?" मैंने हंसते हुए आयशा से पूछा.
वो बोली- सेफ सेक्स की गारंटी होती है. जब मन करे चुद लिया कर. अगर मेरा कोई भाई इतना सेक्सी होता तो मैं बॉयफ्रेंड ही नहीं रखती.

आयशा तो चली गयी लेकिन दिन भर ये बात मेरे दिमाग में घूमती रही।
"सेफ सेक्स की गारन्टी" बात तो कुतिया ने सही कही थी। हाँ ये अलग है कि वो मेरे भाई

पर लाइन मार रही थी।

आयशा ने उस दिन मुझे मेरी फड़कती चूत का इलाज बता दिया था. मेरे दिमाग में खुराफात का बीज पड़ गया था.

एक दिन सुबह-सुबह मैं विशाल के कमरे में गयी तो केवल बॉक्सर में ही था. उसने शायद कुछ देर पहले ही वर्कआउट किया था. उसका कसरती बदन, मस्त डोले, चौड़ी छाती, सिक्स पैक ऐब्स, उसके मस्त कट्स देख कर मैं उसको देखती ही रह गयी. किसी बॉडी बिल्डर से कम नहीं लग रहा था वो। उसको देख कर किसी भी चूत का चुदने को मन कर जाये.

नाश्ता करने के बाद मैं और भाई मेरी मां के साथ मंदिर में दर्शन के लिए गये. हम लोग बाहर खड़े होकर मां का वेट करने लगे. विशाल से बात करने का अच्छा मौका था.

मैंने पूछा- तूने आशू के कानों में उस दिन ऐसा क्या कहा था जो वो अगले ही दिन मेरे पैरों में गिर गया था ?
वो बात पलटने की कोशिश करते हुए बोला- छोड़ो न दीदी. बीत गयी तो बात गयी.

जोर देकर मैं बोली- नहीं बता, मुझे जानना है ?
वो बोला- मैंने उसे एक पेन ड्राइव दी थी, उसकी करतूतों का चिट्ठा था उसमें. उसने जितनी भी लड़कियों के साथ सेक्स किया था उसके सारे वीडियो थे उसमें.

हैरानी से मैंने पूछा- लेकिन ये सब तुझे कहां से मिला ?
विशाल- आसान था, मैंने प्रीति बनकर उससे चैट की. उसका लंड खड़ा कर दिया. उसके कुछ वीडियो और फोटो मांग लिये. उसने अपने मोबाइल को कम्प्यूटर से कनेक्ट कर लिया. मैंने अपने एक दोस्त की मदद से उसका कम्प्यूटर हैक कर लिया और सारे वीडियोज

और फोटोज गायब कर लिए.

हे भगवान, तूने वो फोटोज देखे तो नहीं ? मेरी बात पर वो मूक बना खड़ा था।
बोल, बोलता क्यों नहीं… मैंने गुस्से से पूछा.
विशाल बोला- सॉरी दीदी, मैं आपकी मदद कर रहा था.

उसकी बात सुनकर मैं वहीं पर सिर को पकड़ कर बैठ गयी. कुछ देर के बाद मैंने पूछा- तेरे दोस्त ने भी देख लिये ?
नहीं दीदी बिल्कुल नहीं, मम्मी कसम, उसने सिर्फ मेरी मदद की थी. मैंने सारी फ़ाइल डिलीट करवा दी. उसने कुछ नहीं देखा.

मेरे पैरों तले से जमीन खिसक गयी थी ये जान कर कि मेरा भाई मेरी नंगी फोटोज देख चुका है. मैं वहीं सीढ़ियों पर बैठ गयी. मुझे खुद पर बहुत गुस्सा आ रहा था. कैसे मैं आशू की बातों में आ गयी. आखिर क्यों मैंने उस पर भरोसा किया.

नतीजा यह हुआ कि मैं अपने भाई के सामने नंगी हो गयी थी.

मेरे चेहरे पर चिंता के भाव देख कर विशाल डर गया और वो मुझे मनाने लगा- सॉरी दीदी, मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था. मैं तो आपकी हेल्प करना चाह रहा था. मैंने आपके कुछ फोटोज के अलावा कुछ नहीं देखा. मेरी नजर आपकी इज्जत आज भी वैसी ही है.

बात तो उसकी सही थी. उसने मुझे एक बड़ी समस्या से निकाला था। वैसे भी गलती उसकी नहीं मेरी थी। उसने तो मेरी हेल्प की थी। फिर मैं मान गयी। उसने भरोसा दिलाया कि वो सारे फोटो डिलीट कर चुका है.

उस दिन मेरे ज़हन में एक बात आयी। ये जानते हुए भी कि मैं कितनी बड़ी रण्डी हूं उसने मेरा फायदा नहीं उठाया। मेरी हेल्प की और मुझे इस समस्या से निकाला।

ये सोचते हुए आयशा की बात मेरे दिमाग में घूमने लगी ‘सेफ सेक्स की गारंटी !’

उस दिन के बाद से मेरे मन में एक भावना का उदय हो गया था. मेरे भाई का भोला चरित्र मेरे मन को भा गया था. मेरी नजर उसके लिए बदलने लगी थी. अब मैं छिप कर अपने भाई की सेक्सी बॉडी को निहारा करती थी.

घर में विशाल केवल बनियान और शॉर्ट्स में ही घूमा करता था. उसको अपनी बॉडी दिखाने का बहुत शौक था. मेरा भाई मुझे पसंद आने लगा था. वो सच में बहुत सेक्सी था.

मैं एक दिन पार्लर गयी और मैंने सिर को छोड़कर शरीर के सारे बाल हटवा लिए. अपनी चूत भी चिकनी करवा ली. मैं अपने ही घर में सेक्सी ड्रेस पहनने लगी. अपना चिकना बदन अपने भाई को दिखाने लगी. हमारी फैमिली वैसे भी काफी खुले विचारों वाली थी इसलिए कोई दिक्कत नहीं थी. सूट सलवार पहनने वाली लड़की अब एक सेक्सी माल बन चुकी थी.

मेरे इस नये अवतार को देक कर भाई भी हैरान था. उसकी नजर अक्सर मेरे बूब्स पर रहती थी. वो मेरे सेक्सी बदन को निहारा करता था. मैंने भी उसको जैसे खुली छूट दे रखी थी. कभी कभी तो मैं नीचे से ब्रा भी नहीं पहनती थी ताकि उसको मेरे कड़क निप्पल्स दिखाई दे जायें.

कई बार मैं विशाल को खुद ही मेरे बदन को छूने का मौका देती थी ताकि वो मुझे पटक कर चोद दे. मगर अभी तक मुझे बिल्कुल अकेले में ऐसा मौका नहीं मिल पाया था. वैसे तो हमारे कमरे भी अलग थे लेकिन मैं अपनी तरफ से पहल नहीं करना चाह रही थी. यदि मैं ऐसा करती तो उसकी नजरों में गिर जाती.

एक दिन भगवान ने मेरी तड़पती हुई चूत की पुकार सुन ली और मुझे मौका मिल ही गया.

उस दिन मेरे छोटे मामा की शादी थी. मां और पापा पहले ही निकल चुके थे. हम दोनों के एग्जाम्स चल रहे थे. हम शादी के दो दिन पहले ही पहुंचने वाले थे.

पापा ने हमें बस से आने के लिए कहा. ट्रेन में कोई बुकिंग नहीं मिल रही थी. मुझे बसों में सफर करने में बिल्कुल भी रूचि नहीं थी इसलिए मैंने भाई को पर्सनल सवारी से जाने की इच्छा जताई. बाय रोड 8 या 10 घंटे का सफर था. हम लोग आसानी से कार से जा सकते थे. भाई भी कार से जाने के लिए मान गया और हम निकल पड़े.

अब विशाल के शब्दों में:

मौसम आज सुबह से ही खराब था। सुबह से ही बारिश हो रही थी। रास्ता लम्बा था। मैं धीरे धीरे कार चला रहा था। ट्रेन और बस के चक्कर में हमने काफी लेट कर दिया था। अन्धेरा होने को आया था.

हम लगभग आधे रास्ते तक ही पहुंचे थे। तभी तेज हवा के साथ बारिश होने लगी.

कुछ दूरी पर जाकर देखा तो हाइवे जाम हो गया था. कुछ लोगों से पूछने पर पता लगा कि तूफान की वजह से आगे रास्ता बंद कर दिया गया है. तूफान के समय में भूस्खलन का डर रहता है. हम भाई-बहन ने किसी होटल में रुकने का प्लान किया. हमें 2 किलोमीटर पैदल चलने के बाद एक होटल मिला.

पैदल चलते हुए हम भीग गये थे. जब होटल में पहुंचे तो होटल मैनेजर ने पहले ही कह दिया कि लाइट बारिश रुकने के बाद ही आयेगी. होटल में बिजली भी नहीं थी. मगर हमें लाइट से क्या करना था. हमें तो रात गुजारने के लिए छत चाहिए थी. चाबी लेकर हम भाई-बहन कमरे में आ गये. मैंने दीदी की ओर देखा तो वो पूरी की पूरी भीग गयी थी.

दीदी की भीगी हुई जुल्फें, गोरा सा चेहरा, सुर्ख लाल होंठ. उसने रेड कलर का सूट पहना

हुआ था. उसका सूट भीग कर उसके बदन के साथ चिपक गया था. दीदी के उभार भी साफ नजर आ रहे थे. मगर बाकी दिनों की तुलना में थोड़े छोटे लग रहे थे.

बारिश में भीगी उस लड़की को देख कर लग ही नहीं रहा था कि वो मेरी बहन है. वो किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही थी. मुझे पहली बार दीदी की खूबसूरती का अंदाजा हुआ था.

अब प्रीति के शब्दों में:

मैं भीगे बदन के कारण ठंड से ठिठुर रही थी।
भाई ने कहा- दीदी, आप भीग चुकी हो. कपड़े बदल लो.
हमने एक्स्ट्रा कपड़े लिए ही नहीं थे। सारे लग्गेज को हमने मां और पापा के साथ ही भेज दिया था.

उसने मुझे ठंड से ठिठुरती देख कर अपनी जैकेट ऑफ़र की। लेकिन मैं पूरी तरह भीगी हुई थी। उसके कपड़े उसके लैदर जैकेट की वजह से काफी हद तक बचे हुए थे।
कुछ देर बाद वो बोला- दीदी अगर आप बुरा न मानो तो आप मेरे कपड़े पहन सकती हो.
“और तू क्या पहनेगा फिर ?” मैंने पूछा.

वो बोला- “मेरे पास है न. वैसे भी मैं भीगा नहीं हूं, मुझे जरूरत नहीं है”

चूंकि छोटे कपड़े तो मैं घर में भी पहनती थी। वैसे भी नंगी तो वो मुझे देख ही चुका था। उसे रिझाने का ये मौका मैं कैसे गंवा देती।

मैं कपड़े बदलने गयी तब तक उसने होटल वालों से कह कर अलाव का इंतजाम करवा लिया था। कुछ देर आग के सामने बैठे हुए हम बातें करते रहे। आग की गर्मी से हमें कुछ राहत मिली.

आज सुबह से ही मेरी चूत फड़क रही थी। मुझे अहसास हो रहा था कि आज कुछ होने वाला है लेकिन मुझे इसकी उमीद नहीं थी कि मैं भाई के साथ घर से इतनी दूर इस होटल में अकेले एक कमरे में होंगी।

पिछले कई महीनों से मैं एक किसी ऐसे ही अवसर की तलाश में थी. उस रात भाई को देख कर मेरे मन में एक ही तमन्ना बार बार उठ रही थी कि वो अपनी मजबूत बांहों में भर कर मुझे पूरी रात प्यार करे.

मैं उसके सेक्सी बदन को भोगना चाह रही थी. मगर अभी भी हमारे बीच में बहन-भाई के रिश्ते की दीवार सी खड़ी थी. उस दीवार को लांघने की हिम्मत भी नहीं हो पा रही थी मुझसे.

कहानी अगले भाग में जारी रहेगी. अगर कहानी में आपको मजा आ रहा हो तो मुझे अपने मेल और कमेंट्स के जरिये प्यार दें. मैंने अपना ई-मेल आईडी नीचे दिया हुआ है. हम भाई-बहन को आपके रेस्पोन्स का इंतजार है.

vishaljasu1@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-5

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि मैंने सुबह उठते ही अपनी दीदी की चुदाई शुरू कर दी थी. जीज्जू ने भी हमें चुदाई करते देख लिया था. और चुदाई के बाद मैं सो गया […]
Full Story >>>

मेरी चालू दीदी का मचलता हुस्न-1

मेरे घर में हमारे मॉम डैड के साथ हम दो भाई और दो बहनें हैं. मैं दिल्ली में पढ़ता हूँ. अपनी अविवाहित बहनों को देख कर मैं अकेले में सोचता था कि मुझसे खुद सेक्स के बिना नहीं रहा जाता, […]
Full Story >>>

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-4

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि मेरी बहन चित्रा और उसके पति ने अपनी अदला बदली की कल्पना को साकार करने के लिए मुझे और जीजाजी की बहन आलिया को राजी कर लिया था […]
Full Story >>>

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-2

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि मेरी बहन चित्रा और उसके पति ने अपनी अदला बदली की कल्पना को साकार करने के लिए मुझे और जीजाजी की बहन आलिया को राजी कर लिया था. […]
Full Story >>>

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-1

लेखक की पिछली कहानी : ममेरी बहन की चुदाई कहानी नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है और मेरी उम्र 24 साल है. आज मैं आपके सामने एक सेक्स कहानी प्रस्तुत कर रहा हूं. यह कहानी पूरी तरह से काल्पनिक सोच पर […]
Full Story >>>